एम.ए. (पालि) द्वितीय वर्ष
तृतीय सत्रार्ध
AECC-5

पाण्डुलिपिविज्ञान, लिपिशिक्षण एवं शिलालेख-अध्ययन

आधार-ग्रन्थ-

1. शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. पाण्डुलिपि विज्ञान, डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2013
3. सम्राट् अशोक के अभिलेख, विपस्सना विशोधन विन्यास, ईगतपुरी, 2013
4. अशोक के धर्मलेख, जनार्दन भट्ट, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मन्त्रालय, नई दिल्ली, 2015
5. प्राचीन भारतीय अभिलेख, डॉ. दिनेश चन्द्रा, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 2008

क्र.	पाठ्यक्रम	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
1	पालि पाण्डुलिपि विज्ञान एवं सिंहल-लिपि-शिक्षण (i) पालि पाण्डुलिपि परिचय एवं तिपिटक के नागरी लिपि में लिप्यन्तरण का इतिहास (ii) पालि पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण (सिंहली, बर्मी एवं थाई लिपियों के विशेष सन्दर्भ में) (iii) लिपि परिचय एवं लिपि का स्वरूप (सिंहली, ब्राह्मी, बर्मी, थाई, रोमन एवं नागरी लिपियों के विशेष सन्दर्भ में) (iv) लिप्यन्तरण, लिप्यंकन एवं पालि के सन्दर्भ में सिंहल-लिपि-शिक्षण	1	1	16-20
2	अशोक के अभिलेख एवं धम्मलिपि शिक्षण (i) शिलालेख का अर्थ, परिचय एवं इतिहास	1	1	16-20

	(ii) अशोक के शिलालेखों, लघुशिला लेखों, स्तम्भलेखों एवं गुहालेखों की विषयवस्तु, अशोक के अभिलेखों की भौगोलिक स्थिति (iii) धम्मलिपि (ब्राह्मी लिपि) शिक्षण (iv) सम्राट् अशोक के शिलालेखों का वैश्विक महत्त्व			
3	**बर्मी लिपि में पालि-पाण्डुलिपियाँ तथा बर्मी लिपि शिक्षण** (i) बर्मी लिपि में उपलब्ध पालि-पाण्डुलिपियाँ तथा बर्मी लिपि शिक्षण (ii) बर्मी लिपि में उपलब्ध पालि पाण्डुलिपियों अथवा मुद्रित ग्रन्थों का नागरी लिप्यन्तरण एवं पाठालोचन (iii) बर्मी लिपि की पालि पाण्डुलिपियों के सम्पादन सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण नियम एवं सावधानियाँ (iv) बर्मी लिपि में उपलब्ध पालि पाण्डुलिपियाँ एवं उनके नागरी लिप्यन्तरण की आवश्यकता	1	1	16-20
4	**थाई लिपि में पालि-पाण्डुलिपियाँ तथा थाई लिपि शिक्षण** (i) थाई लिपि में उपलब्ध पालि पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण (ii) थाई लिपि में उपलब्ध पाण्डुलिपियों अथवा मुद्रित ग्रन्थों का लिप्यन्तरण, पाठालोचन एवं सम्पादन, प्रूफ रीडिंग, चिह्न, प्रूफ संशोधन एवं ग्रन्थ सम्पादन (iii) थाई लिपि शिक्षण (iv) पालि साहित्य के संवर्धन में लिप्यन्तरण का महत्त्व	1	1	16-20

(डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी)
सदस्य, अध्ययन परिषद्

(डॉ. कृष्णा कुमारी)
सदस्य, अध्ययन परिषद्

(प्रो. राम नन्दन सिंह)
अध्यक्ष, अध्ययन परिषद्

बौद्धदर्शन एवं पालि विद्याशाखा